सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 73 | जौनपुर, रविवार, 03 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने तवांग में सैनिकों के साथ मनाया दिवाली

असम, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में देश के शीर्ष रक्षा अधिकारी गुरुवार को देश के विभिन्न हिस्सों में सैनिकों के साथ दिवाली मनाया। सिंह और अरुणाचल प्रदेश से आने वाले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, रोशनी के त्योहार की पूर्व संध्या पर बुधवार को पूर्वोत्तर राज्य के तवांग पहुंचे। वहां वे भारत–चीन सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ त्योहार मनाएंगे। मंत्रियों के साथ थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस), जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भी हैं। यह परंपरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई थी, जो 2014 से कार्यालय में आने के बाद से अपनी दिवाली सैनिकों के साथ बिता रहे हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान वहां तैनात सैनिकों के साथ उत्सव में भाग लेने के लिए अंडमान और निकोबार में होंगे। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी गुजरात के पोरबंदर में नौसेना सैनिकों के साथ जश्न मनाएंगे, जबकि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एयर चीफ मार्शल एपी सिंह जम्मू–कश्मीर में सैनिकों के साथ जश्न मनाएंगे। प्रधान मंत्री के रूप में अपनी पहली दिवाली में, मोदी ने सियाचिन का दौरा किया, जबकि अगले वर्ष, वह पंजाब के अमृतसर में थे। 2016, 2017 और 2018 में वह क्रमशः हिमाचल प्रदेश के किन्नौर, गुरेज सेक्टर (जम्मू और कश्मीर) और उत्तराखंड के हर्षिल गए। 2019 में प्रधानमंत्री फिर से जम्मू–कश्मीर में थे, क्योंकि उन्होंने राजौरी में जवानों के साथ त्योहार मनाया था। अगले साल वह राजस्थान के लोंगेवाला में थे और 2021 में वह वापस जम्मू–कश्मीर (नौशेरा) में थे। उन्होंने अगली दो दिवाली क्रमशः लद्दाख के कारगिल और हिमाचल प्रदेश के लेप्चा में सैनिकों के साथ बिताईं।

पीएम मोदी ने 284 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

गुजरात, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 284 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं और पर्यटन स्थलों का शिलान्यास और आधारशिला रखी। मोदी दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर हैं और इस दौरान वह राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भी भाग लेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। अहमदाबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर एकता नगर पहुंचने के बाद मोदी ने कई नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें एक उप–जिला अस्पताल, स्मार्ट बस स्टॉप, चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना और दो आईसीयू–ऑन–व्हील्स शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने 22 करोड़ रुपये की लागत से बने 50 बेड के उप–जिला अस्पताल का भी शुभारंभ किया। इस अस्पताल में एक ट्रॉमा सेंटर, स्त्री रोग ऑपरेटिंग थिएटर, छोटा ऑपरेटिंग थिएटर, सीटी स्कैन सुविधा, आईसीयू, लेबर रूम, फिजियोथेरेप वार्ड, मेडिकल स्टोर और एंबुलेंस की सुविधा है। इसके अलावा, उन्होंने एकता नगर में दस स्मार्ट बस स्टॉप और पर्यटको के लिए 10 पिक–अप स्टैंड, कार चार्जिंग प्वाइंट और राज्य रिजर्व पुलिस बल के कर्मियों को दौड़ने के लिए ट्रैक का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने 23.26 करोड़ रुपये की लागत से विकसित चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना का भी उद्घाटन किया, जिसका मकसद नवीनीकरणीय उर्जा को बढ़ावा देना है। इस मौके पर, मोदी ने एकता नगर में 75 करोड़ रुपये के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की नींव भी रखी, जो करीब 4,000 घरों, सरकारी कमरों और अन्य आतिथ्य स्थलों के सीवेज प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होगा।प्रधानमंत्री ने एक बोन्साई गार्डन की भी आधारशिला रखी, जिसका मकसद सतत विकास और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में रन फॉर यूनिटी में हिस्सा लिया

उत्तराखंड, एजेसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश के पहले उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर मंगलवार को 'रन फॉर यूनिटी क्रॉस कंट्री' दौड़ में भाग लिया। यहां पवेलियन ग्राउंड में भारत रत्न पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए धामी ने कहा कि उन्होंने (पटेल) अपने जीवन का प्रत्येक क्षण देश की एकता और अखंडता के लिए समर्पित किया और उनका संपूर्ण जीवन हमें राष्ट्र सेवा की प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि रन फॉर यूनिटी का आयोजन हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर ही होता है लेकिन इस बार दिवाली का संयोग होने के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा के अनुरूप इसका आयोजन 29 अक्टूबर को किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा,'' सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता, और अटूट समर्पण से 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाया और हमें एक ऐसा भारत दिया जिसमें विविधता के बावजूद एकता की भावना है।'' इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा तथा अन्य लोग मौजूद थे।

कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश हो गया - सीएम

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य विधानसभा चुनाव में अनियमितता के आरोपों को खारिज किए जाने के एक दिन बाद कहा कि कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश हो गया है और चुनाव प्रक्रिया को कमजोर करने की उसकी कोशिशें नाकाम हो गयी हैं। निर्वाचन आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितता से संबंधित कांग्रेस के आरोपों को मंगलवार को खारिज कर दिया और कहा कि पार्टी पूरे चुनाव नतीजों की विश्वसनीयता के बारे में उसी तरह का संदेह पैदा कर रही है, जैसा उसने अतीत में किया था। सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' शपथ ग्रहण समारोह के इतर पत्रकारों से कहा, ''...माननीय निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश कर दिया है।'' सैनी ने कहा कि चुनाव से पहले उन्होंने कहा था कि कांग्रेस जमीन पर कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है, भले ही उसके नेताओं ने दावा किया था कि ''कांग्रेस की लहर'' है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (कांग्रेस) देश को लूटा, देश में भ्रष्टाचार और घोटाले किए, उन्होंने महज एक गैस सिलेंडर पाने के लिए कई दिनों तक लोगों को कतारों में खड़ा रखा।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे एक पत्र में निर्वाचन आयोग ने कड़े शब्दों में कहा था कि इस तरह के तुच्छ और बेबुनियाद संदेह अशांति पैदा करने की क्षमता रखते हैं। खासकर मतदान और मतगणना जैसे महत्वपूर्ण चरण में, जब राजनीतिक दलों और जनता की बेचैनी चरम पर होती है। हरियाणा में पांच अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 में से 48 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस 37, इनेलो दो और निर्दलीय तीन सीटों पर विजयी रहे। आठ पन्नों के पत्र के मुताबिक, कांग्रेस ने हरियाणा की 26 विधानसभा सीटों के कुछ मतदान केंद्रों पर गिनती के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के 'कंट्रोल यूनिट' पर बैटरी का स्तर 99 फीसदी दिखने पर सवाल उठाए थे और स्पष्टीकरण मांगा था। इस बीच, सैनी ने सचिवालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के पूर्व दिवस पर उनकी तारीफ करते हुए उन्हें देश की एकता एवं अखंडता के लिए काम करने वाला नेता बताया। मुख्यमंत्री 560 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय करने में पटेल का योगदान बहुत बड़ा था।

बिहार में छठ पूजा में शामिल होंगे बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा

बिहार, एजेसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के इस साल पटना में छठ पर्व में शामिल होने की संभावना है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने इस बात की जानकारी दी है। जायसवाल ने कहा कि इस संबंध में उन्हें औपचारिक अनुरोधध्प्रस्ताव भेजा गया है। पूरी संभावना है कि एक या दो दिन में इसकी पुष्टि हो जाएगी। घटनाक्रम से परिचित भाजपा नेताओं के अनुसार, नड्डा 7 नवंबर की दोपहर पटना पहुंचेंगे, जहां वह गंगा घाटों में से एक का दौरा करेंगे। नड्डा के दौरे में उनके साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी होंगे। नाम न बताने की शर्त पर एक भाजपा नेता ने बताया, ष्दोनों नेताओं की मौजूदगी विपक्ष को राजनीतिक एकता का संदेश देगी। हर साल दिवाली के छह दिन बाद मनाई जाने वाली छठ पूजा नहाय–खाय से शुरू होती है और 8 नवंबर को सुबह के अर्घ्य के साथ समाप्त होती है। इससे पहले बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर बैठक हुई। जनता दल (यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''राजग की प्रचंड जीत की तैयारी। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की अध्यक्षता में आज एक अणे मार्ग, पटना में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की संयुक्त बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों और प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक समन्वय पर विस्तृत चर्चा हुई।' उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में राजग के सभी घटक दलों के वरिष्ठ नेता, केंद्रीय मंत्री, राज्यसभा एवं लोकसभा सदस्य, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, विधान पार्षद तथा जिला अध्यक्ष शामिल हुए।

जेएमएम और कांग्रेस की सरकार रहते हुए झारखंड के लोग खुशहाल नहीं हो सकते - शिवराज चौहान

झारखंड, एजेसी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने सरकार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। झारखंड में भाजपा के प्रभारी चौहान ने कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा पर कटाक्ष करते हुए उन्हें हिंदू महाकाव्य रामायण के रावण के छोटे भाई कुंभकर्ण की तरह बताया। उन्होंने आज साफ तौर पर कहा कि जेएमएम और कांग्रेस की सरकार रहते हुए झारखंड के लोग खुशहाल नहीं हो सकते। भाजपा नेता ने दावा किया कि आज झारखंड में घोर अंधकार है। कुशासन का, भ्रष्टाचार का, विकास रुका हुआ है, कानून व्यवस्था पर अंधकार छाया हुआ है। बलात्कार की 7400 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं, 8000 से ज्यादा हत्याएं, अपहरण, लूट– ये सब अंधकार फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की महिलाएं अंधकार में हैं, झारखंड में आज रोटी और माटी संकट में है। अगर आपको झारखंड को बचाना है तो मैं राज्य की जनता से दिवाली के बाद होने वाले चुनावों में भाजपा–एनडीए सरकार लाने की अपील करता हूं। भाजपा के सह–प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि झारखंड में उत्साह का माहौल है और भाजपा पूर्ण बहुमत से जीतने जा रही है। हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन सिर्फ अपने परिवार की बात करते हैं, हम पूरे झारखंड की बात करते हैं।

दिवाली वंचितों–जरूरतमंदों की मदद करने और खुशियां बांटने का अवसर – राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को दिवाली की पूर्व संध्या पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने और उनके साथ खुशियां बांटने का भी अवसर है।

उन्होंने कहा कि दिवाली के पावन अवसर पर, हमें अपनी अंतरात्मा को प्रकाशित करना चाहिए, प्रेम और करुणा के गुणों को अपनाना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। वहीं राष्ट्रपति भवन की तरफ से जारी एक संदेश में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दिवाली खुशी और उत्साह का त्योहार है।

दिवाली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक

उन्होंने कहा, यह त्योहार अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भारत और विदेशों में कई समुदाय इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार एक उज्जवल भविष्य की आशा भी जगाता है। राष्ट्रपति ने विदेशों में रह रहे भारतीयों को भी दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति मुर्मू ने देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा, आइए हम भारत की गौरवशाली विरासत पर गर्व करें। अच्छाई में विश्वास के साथ, आइए हम प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाएं और एक स्वस्थ, समृद्ध और जिम्मेदार समाज के निर्माण का संकल्प लें।

दिल्ली में पटाखा बैन, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक प्रयास - केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेसी। दिवाली के दौरान दिल्ली में आतिशबाजी पर जारी प्रतिबंध के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दोहराया कि यह प्रतिबंध धर्म का मामला नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक प्रयास है। एक संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दिवाली मूलतः प्रकाश का उत्सव है और आतिशबाजी से होने वाले प्रदूषण का नकारात्मक प्रभाव स्थायी होता है, खासकर बच्चों पर। केजरीवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट भी कह रहे हैं कि प्रदूषण को देखते हुए हमें पटाखे नहीं जलाने चाहिए, हमें दीये जलाने चाहिए। यह पटाखों का नहीं बल्कि रोशनी का त्योहार है। ऐसा नहीं है कि हम किसी पर एहसान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी प्रदूषण होगा, उसका खामियाजा हमारे बच्चों को भुगतना पड़ेगा, इसलिए इसमें हिंदू–मुसलमान जैसा कुछ नहीं है। सबकी जान जरूरी है। अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अक्टूबर महीने के अंत से पहले सभी सफाई कर्मचारियों को वेतन और दिवाली बोनस भेज दिया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के सफाईकर्मियों के लिए खुशखबरी है। भाजपा के समय सफाईकर्मियों को अपनी सैलरी के लिये धरना प्रदर्शन करना पड़ता था, 6–6 महीने तनख्वाह नहीं मिलती थी।

भू-राजनीतिक खतरों और अवसरों के लिए सैन्य कमांडर रहें तैयार - विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेसी। इंडियन आर्मी के कमांडरों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने तेजी से विकसित हो रहे भू–राजनीतिक खतरों और अवसरों के लिए उन्ह्हें तैयार रहने को कहा। विदेश मंत्री ने भारत को प्रभावित करने वाली जटिल वैश्विक और भू–राजनीतिक गतिशीलता को रेखांकित किया। उन्होंने वर्तमान विश्व व्यवस्था के विरोधाभासों और चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री मंगलवार को आर्मी कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सतर्क रहने के लिए भारतीय सेना की सराहना की और वरिष्ठ अधिकारियों से तेजी से विकसित हो रहे भू–राजनीतिक खतरों और अवसरों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। भारत की रणनीतिक स्थिति को आकार देने में तकनीकी प्रगति और चल रहे वैश्विक संघर्षों से सीखे गए सबक के महत्व पर जोर दिया। आर्मी कमांडरों का यह सम्मेलन मंगलवार को नई दिल्ली में संपन्न हुआ। 28 और 29 अक्टूबर को आयोजित इस सम्मेलन में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने सीमा सुरक्षा और भीतरी इलाकों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण रणनीतिक मुद्दों पर विचार–विमर्श किया। सम्मेलन के दौरान भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से परिचालन और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने वर्तमान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हुए, संयुक्तता के महत्व और सभी क्षेत्रों में बेहतर एकीकरण की रूपरेखा पर जोर दिया। यहां संयुक्तता का संदर्भ आर्मी, नेवी और एयर फोर्स की जॉइंट कमांड से है, जो भविष्य के युद्ध और प्रभावी संचालन के लिए महत्वपूर्ण है। सीडीएस ने सेनाओं के एकीकरण की दिशा में चरण–दर–चरण दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की है। यह क्रॉस–सर्विस सहयोग से शुरू होकर, श्संयुक्त संस्कृतिश की ओर आगे बढ़ते हुए संयुक्त संचालन के लिए पूर्ण एकीकरण की बात करती है। उन्होंने उभरती चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए परिचालन तत्परता की आवश्यकता को दोहराया। यहां नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने प्रौद्योगिकी और रणनीति में तेजी से बदलती गतिशीलता पर चर्चा की। एडमिरल त्रिपाठी ने सशस्त्र बलों को इन परिवर्तनों के प्रति सक्रिय और अनुकूलनशील बने रहने की आवश्यकता बल दिया। उन्होंने खासकर हिंद महासागर और भारत–प्रशांत क्षेत्रों पर जोर दिया। उन्होंने इन रणनीतिक जलक्षेत्रों में श्रेष्ठ परिचालन की क्षमता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया व नौसेना की तैयारियों पर प्रकाश डाला। सेना के अधिकारियों ने सम्मेलन के दौरान सैनिकों और उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी उपायों और वित्तीय सुरक्षा योजनाओं पर भी विचार–विमर्श किया। सम्मेलन का समापन ग्रीन मिलिट्री स्टेशन और एविएशन फ्लाइट सेफ्टी के लिए कई श्रेणियों में सैन्य स्टेशनों को पुरस्कारों के वितरण के साथ हुआ। इसमें पर्यावरणीय स्थिरता और सुरक्षा के प्रति सेना की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस सम्मेलन ने भारतीय सेना की तत्परता और अनुकूलनशीलता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यहां वरिष्ठ अधिकारियों ने परिवर्तनकारी पहलों में तेजी लाने और विभिन्न राष्ट्रीय प्रयासों में सक्रिय रूप से योगदान देने का संकल्प लिया। दूरदर्शी दृष्टिकोण पर जोर देते हुए, भारतीय सेना उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिससे भारत के रणनीतिक हितों के अनुरूप एक प्रगतिशील, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बल सुनिश्चित किया जा सके।

बिहार में चुनाव चिन्ह नहीं बल्कि बदलाव महत्वपूर्ण – प्रशांत किशोर

बिहार, एजेंसी। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने आज कहा कि चुनाव आयोग जो भी पार्टी का चुनाव चिन्ह आवंटित करेगा, वे उसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव चिन्ह नहीं बल्कि बदलाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जो भी सिंबल आवंटित करेगा, हम उसे स्वीकार करेंगे। सिंबल महत्वपूर्ण नहीं है, बिहार में बदलाव महत्वपूर्ण है, अच्छे उम्मीदवार का चुनाव महत्वपूर्ण है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जो भी जन सुराज के नाम पर चुनाव लड़ रहे हैं, चुनाव आयोग आज जो भी सिंबल देगा, हम उसी को लेकर जनता के बीच जाएंगे। इससे पहले 2 अक्टूबर को प्रशांत किशोर ने पटना में अपनी नई राजनीतिक पार्टी जन सुराज पार्टी का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया था। शुभारंभ समारोह में उन्होंने कहा कि पार्टी पिछले दो सालों से सक्रिय है और हाल ही में चुनाव आयोग से इसे मंजूरी मिली है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज अभियान 2–3 सालों से चल रहा है। लोग पूछ रहे हैं कि हम पार्टी कब बनाएंगे। हम सभी को भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर जन सुराज को जन सुराज पार्टी के रूप में स्वीकार कर लिया है। चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद अब जन सुराज पार्टी अगले साल बिहार विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

संपादकीय

विज्ञापनों पर लोकप्रिय हस्तियों का प्रभाव

विज्ञापन के शुरुआती दिनों में, ब्रांड उपभोक्ताओं के साथ गहरे भावनात्मक संबंध बनाने के लिए आकर्षक कहानियों और यादगार टैगलाइन पर बहुत अधिक निर्भर थे। हच के विज्ञापन के बारे में सोचें जिसमें एक वफादार कुत्ता एक लड़के का ईमानदारी से पीछा करता है, कैडबरी डेयरी मिल्क का खुशमिजाज डांसर स्टेडियम में जश्न मनाता है, या सर्फ एक्सेल का दाग अच्छे हैं अभियान। ये केवल विज्ञापन नहीं थेय वे सांस्कृतिक टचस्टोन बन गए जिन्होंने उन ब्रांडों को याद रखने के तरीके पर स्थायी छाप छोड़ी हच और एयरटेल जैसे ब्रांडों ने मशहूर हस्तियों पर निर्भर किए बिना कथा– संचालित विज्ञापनों पर अपनी प्रतिष्ठा बनाई विश्वसनीयता, दोस्ती और खुशी जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। इन अभियानों की सफलता कहानी को नायक बनाने और उत्पाद को उन कथाओं में सहजता से एकीकृत करने में निहित थी जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ती थीं। हालांकि, व्यापक सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिसमें प्रसिद्ध चेहरे लग्जरी कारों से लेकर रोजमर्रा के उपकरणों तक सब कुछ का प्रचार कर रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है क्या कहानी कहने की कला सेलिब्रिटी करिश्मा के आकर्षण से ढक गई है? फिर भी, कुछ सेलिब्रिटी– संचालित विज्ञापन शक्तिशाली कथाओं के माध्यम से उस भावनात्मक संबंध ा को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। अमिताभ बच्चन का कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) से जुड़ना इसका एक प्रमुख उदाहरण है। शो की ब्रांडिंग सिर्फ एक गेम शो के बारे में नहीं है यह आम लोगों के सपनों, आकांक्षाओं और जीवन बदलने वाले पलों के बारे में है। इसी तरह, शाहरुख खान की हुंडई के साथ लंबे समय से चली आ रही साझेदारी ने ऐसे विज्ञापन बनाए हैं जो कारों के प्रदर्शन से कहीं आगे जाते हैं। हाल ही में हुंडई समर्थ पहल विकलांग लोगों के लिए समावेशिता और सशक्तिकरण को उजागर करती है। इन विज्ञापनों में, शाहरुख खान सिर्फ एक उत्पाद का समर्थन नहीं करते हैंय वे एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन जाते जो सकारात्मक सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देती है, जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ती है। ये अभियान सिर्फ इसलिए सफल नहीं हुए क्योंकि उनमें एक सेलिब्रिटी को दिखाया गया था, बल्कि इसलिए भी क्योंकि उन्होंने सार्वभौमिक भावनाओं और मूल्यों को हुआ था जिससे उपभोक्ता जुड़ सकते थे। कहानी हीरो बनी रही, और सेलिब्रिटी ने कहानी को बिना छायांकित किए बढ़ाया। यह अपने शुद्धतम रूप में विज्ञापन था कनेक्शन और अर्थ पर केंद्रित। बॉलीवुड अभिनेताओं द्वारा म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय उत्पादों का विज्ञापन करने से लेकर रियल एस्टेट या सॉफ्ट ड्रिंक्स को बढ़ावा देने वाले क्रिकेटरों तक, सेलिब्रिटी विज्ञापन व्यापक हो गए हैं। म्यूचुअल फंड विज्ञापनों में एमएस धोनी की भागीदारी इसका एक प्रमुख उदाहरण है। उनकी विश्वसनीयता, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में, वित्तीय उत्पादों को दर्शकों के लिए अधिक सुलभ और विश्वसनीय बनाती है, जो अन्यथा संशयी हो सकते हैं। इसी तरह, पान मसाला विज्ञापनों में बड़े नाम वाले सितारे, हालांकि विवादास्पद हैं, ने इन उत्पादों की दृश्यता और बिक्री में निर्विवाद रूप से वृद्धि की है। लेकिन सेलिब्रिटी–केंद्रित विज्ञापन की ओर इतना बदलाव क्यों हुआ है? इस प्रवृत्ति में कई कारक योगदान करते हैं। खंडित ध्यान अवधि के युग में, उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, और सेलिब्रिटी तुरंत आकर्षित कर लेते हैं। उनके पहचाने जाने वाले चेहरे और स्टार पावर एक उत्पाद को भीड़ भरे मीडिया स्पेस में अलग बना सकते हैं। सेलिब्रिटी भी विश्वास और विश्वसनीयता का प्रतीक हैंय उपभोक्ता अक्सर किसी सेलिब्रिटी की सफलता को उनके द्वारा प्रचारित उत्पाद की गुणवत्ता से जोड़ते हैं, खासकर तब जब अपरिचित ब्रांड पर भरोसा कम हो सकता है। सोशल मीडिया के उदय ने मशहूर हस्तियों को बड़े पैमाने पर अनुसरण करने वाले प्रभावशाली लोगों में बदल दिया है, और ब्रांड दर्शकों तक पहुंचने के लिए इन व्यक्तिगत कनेक्शनों का उपयोग करते हैं। जैसे–जैसे ब्रांड वैश्विक स्तर पर फैलते हैं, वे व्यापक, अधिक विविध बाजारों तक पहुँचने के लिए अंतरराष्ट्रीय अपील वाले मशहूर हस्तियों का उपयोग करते हैं। जबकि मशहूर हस्तियां चर्चा पैदा करने में मदद कर सकती हैं, तकनीक विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक विज्ञापन रणनीतियों को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एआई एल्गोरिदम उपभोक्ता व्यवहार, वरीयताओं और रुझानों का विश्लेषण करते हैं, जिससे ब्रांड को अत्यधिक व्यक्तिगत और लक्षित अभियान बनाने में मदद मिलती है। हालांकि, यह डेटा– संचालित दृष्टिकोण कभी–कभी ऐसे फॉर्मूलाबद्ध विज्ञापनों की ओर ले जा सकता है जो रचनात्मकता पर मीट्रिक को प्राथमिकता देते हैं, जिससे कहानी कहने को इतना शक्तिशाली बनाने वाले मानवीय स्पर्श के खोने का जोखिम होता है। सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों के उदय ने विज्ञापनों में एक नई गतिशीलता पेश की है। पारंपरिक मशहूर हस्तियों के विपरीत प्रभावशाली के पास अक्सर विशिष्ट दर्शक होते हैं और वे उनके साथ अधिक व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ते हैं। उनका ब्रांड मूल्य सापेक्षता और प्रामाणिकता में निहित है, जो मुख्यधारा के मशहूर हस्तियों की पॉलिश छवि तुलना में अधिक वास्तविक लग सकता है। ब्रांड अब बड़े पैमाने पर अपील के लिए हाई–प्रोफाइल सेलिब्रिटीज और लक्षित, प्रामाणिक जुड़ाव के लिए प्रभावशाली लोगों के बीच संतुलन बनाते हैं।

दक्षिण के सिकुड़ते अर्थशास्त्र पर राष्ट्र का ध्यान आवश्यक

आदित्य

1960 के दशक के माल्थुसियन बोगी से लेकर 'श्रिंकोनॉमिक्स' तक भारत का जनसांख्यिकीय परिवर्तन – एक ऐसा शब्द जिसका इस्तेमाल आईएमएफ के जी ही होंग और टॉड श्नाइडर ने अधिक सेवानिवृत्त लोगों और गिरते श्रम–आधारित कर पूल वाली अर्थव्यवस्था के लिए किया था – विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न चरणों से गुजरा है। चूँकि भारत की जनसंख्या की आयु संरचना में व्यापक विविधता है, इसलिए देश की जनसांख्यिकी को इसके क्षेत्रीय परिवेश में बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। 2011 में, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारत की जनसंख्या का 20.7 प्रतिशत हिस्सा था। 2021 में यह घटकर 19.9 प्रतिशत रह गया और 2041 तक इसके घटकर 18.51 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है। 2041 में दक्षिणी राज्यों की जनसंख्या 2031 की तुलना में कम रहने का अनुमान है। इसके विपरीत, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 2011 में 41.59 प्रतिशत से बढ़कर 2021 में 43.02 प्रतिशत हो गई और 2041 में देश की कुल जनसंख्या का 45.58 प्रतिशत तक पहुँचने की उम्मीद है। इस जनसांख्यिकीय नुकसान के आर्थिक निहितार्थों को चार संबंधित दृष्टिकोणों से देखा जा सकता हैरू जनसांख्यिकीय लाभांश, वृद्धावस्था, राजनीतिक समीकरणों में बदलाव और राजकोषीय संघवाद पर फिर से विचार करने की आवश्यकता। जबकि भारत उच्च कामकाजी आयु वाली आबादी के समृद्ध जनसांख्यिकीय लाभांश का दावा कर सकता है, दक्षिणी राज्यों–विशेष रूप से केरल और तमिलनाडु– को सिकुड़न अर्थशास्त्र की एक नई रणनीति पर विचार करना होगा। वे शायद अतीत के नीतिगत विकल्पों की कीमत चुका रहे हैं। जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौरान अवसर की एक खिड़की खुलती है, जब आश्रितों की तुलना में कार्यशील आयु वर्ग की आबादी (15–64 वर्ष) अधिक होती है। मोटे तौर पर, जब युवाओं और बच्चों का अनुपात 30 प्रतिशत से कम हो जाता है और बुजुर्गों का 15 प्रतिशत से कम हो जाता है, तो देश को उच्च जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त होता है। यह स्वर्ग से मन्ना नहीं है। यह सुशासन और शिक्षा, स्वास्थ्य, बचत को बढ़ावा देने, गरीबों के लिए माइक्रोफाइनेंस और पेंशन के साथ–साथ श्रम बल में अधिक महिलाओं को शामिल करने जैसे प्रगतिशील सामाजिक– आर्थिक विकल्पों पर सही नीतिगत विकल्प बनाने पर निर्भर है। चीन में कुल प्रजनन दर 1.2 के आसपास और जापान में 1.3 से नीचे है, इसलिए भारत के संघीय संदर्भ में उनकी मुकाबला करने की रणनीतियों का अधिक गहन अध्ययन करने की आवश्यकता है। अवसर की खिड़की केरल के लिए 1991 से 2017 तक 26 वर्षों के लिए और तमिलनाडु के लिए 30 वर्षों (1994–2024) के लिए खुली थीय अन्य राज्य कतार में हैं, जैसा कि गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के अभिषेक और क्षमानिधि अडाबर ने दिखाया है। दिलचस्प बात यह है कि अधिकांश उत्तरी राज्यों के लिए, 2020 के बाद जनसांख्यिकी लाभांश सामने आया है। भारत में बढ़ते ग्रामीण–से–शहरी और उत्तर–से–दक्षिण प्रवास का इस संदर्भ में बारीकी से अध्ययन करने की आवश्यकता है। इसलिए, केरल में अवसर खोने और प्रवास के बारे में पूर्व विश्व बैंक के जन सांख्यिकीविद् के सी जकारिया के कुछ विस्तृत कथन को उद्धृत करना उचित हैरू "1991–2001 की 10 साल की अवधि के दौरान जनसंख्या में वृद्धि लगभग 2.74 मिलियन थी और 2001–2011 के दौरान यह लगभग 1.56 मिलियन थी। इस प्रकार दशकों के बीच जनसंख्या वृद्धि में उल्लेखनीय गिरावट आई। यदि राज्य में कोई 'प्रतिस्थापन प्रवासी' नहीं होते, तो 2011 की जनगणना के अनुसार केरल की जनसंख्या 2001 की तुलना में कम होती। प्रतिस्थापन प्रवासियों ने प्रवास के माध्यम से केरल द्वारा खोए गए नुकसान की भरपाई की है।" केरल के 'प्रतिस्थापन प्रवासियों' की संख्या अब 3 मिलियन से अधिक हो गई है (ज्यादातर उत्तरी राज्यों और पश्चिम बंगाल से आते हैं)। वे राज्य के सामाजिक–आर्थिक परिवेश में समाहित होते जा रहे हैं। बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहर भी उत्तर से लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। निस्संदेह, उत्तर में अपने घरों में प्रवासियों द्वारा भेजे जाने वाले बढ़ते धन के अर्थशास्त्र की भी केंद्र द्वारा, संभवतः नीति आयोग द्वारा, बारीकी से जांच की जानी चाहिए। भारत के राजकोषीय संघवाद को फिर से परिभाषित करने के किसी भी प्रयास के लिए इसकी आवश्यकता होगी। सभी दक्षिणी राज्यों के लिए वृद्धावस्था सबसे बड़ा नुकसान होने जा रही है, जो उनके सार्वजनिक वित्त को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगी। जनगणना 2011 और राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग द्वारा 2036 तक के वर्षों के अनुमानों का उपयोग करते हुए, प्रमुख राज्यों के लिए 60 से ऊपर की आबादी को 14 से नीचे की आबादी से विभाजित करके आयु सूचकांक की गणना करने पर, हम दक्षिणी राज्यों के लिए बदलते परिदृश्य को देखते हैं। 2011 में आंध्र प्रदेश के लिए आयु सूचकांक 25 प्रतिशत, कर्नाटक के लिए 24.4 प्रतिशत, केरल के लिए 35.7 प्रतिशत और तमिलनाडु के लिए 29.2 प्रतिशत था। 2036 में क्रमशः 84.1 प्रतिशत, 69.2 प्रतिशत, 94.9 प्रतिशत और 94.2 प्रतिशत के अपेक्षित मूल्यों के साथ उनमें महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। लेकिन 2036 के लिए 52 प्रतिशत का अखिल भारतीय आंकड़ा सुरक्षित पायदान पर है। शिशु मृत्यु दर में तेजी से कमी और उच्च जीवन प्रत्याशा ने इस परिवर्तन में मदद की है।

खतरनाक तत्वों से बनी होर्डिंग वायुमण्डल में जहर फैला रही है

(प्रोफे० जी० सी० पाण्डेय, उ० प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त, पर्यावरणविद)

भारत में प्रतिस्पर्धा के चलते, धार्मिक विज्ञापनों एवं स्वयं के प्रोत्साहन हेतु व्यक्ति पूजा, अधिकाधिक संख्या में विज्ञापन का होर्डिंग लगाकर अपना कद बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर बैनर–पोस्टर और होर्डिंग लगाने की प्रकिया शहरों से गावों तक पहुंच गयी है। यह दशा शहरों एवं गावों को सिर्फ बदनुमा ही नहीं बल्कि वातावरण में जहर घोलने का काम भी कर रही हैय अनभिज्ञ जनता बिना सोचे समझे इसे स्वीकार भी कर रही है। प्रत्येक राज्य में विज्ञापन सम्बन्धी नियम–कानून हैं जो सिर्फ निर्धारित स्थलों के अतिरिक्त कहीं पर भी प्रदर्शित विज्ञापन सामग्री को प्रतिबंधित करती है परन्तु अनाधिकृत विज्ञापन सामग्री पर कार्यवाही के नाम पर शून्य है। आजकल बढ़ते प्रदर्शन के चलते जन्म दिन, बधाई, शुभकामना, आभार, श्रद्धांजली आदि के लिये होर्डिंग लगाये जा रहे हैं। यह चलन सार्वजनिक उत्पाद की श्रेणी में रखा जाना चाहिए क्योंकि इससे सड़क हादसों के लिए उत्तरदायी तथा सार्वजनकि स्थलों पर गंदगी भी एकत्रित हो रहा है। संदेश के लिए विज्ञापित करने वाली सामग्री कितनी जहरीली होती है, यह लोगों को पता नहीं है जो सम्पूर्ण वातावरण को प्रदूषित करते हैं। प्रयुक्त सामग्री का पुनः उपयोग नहीं होता है तथा इसका निष्पादन भी नहीं हो पाता है। निश्चित तौर पर वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बन गया है।

दशहरे पर हमने देखा कि बधाई पटट्, रावण जैसे पुतले बनाने में इस्तेमाल किये जाते हैं उनमें प्रयुक्त किये जाने वाला पी०वी०सी० सामग्री रावण जैसी आसुरी प्रवृत्ति से कम नहीं है। बांस एवं खपच्ची से रावण का ढांचा बनाया जाता है और उसके उपयोग में लाया गया सिन्थेटिक पालीमर, उसकी भराई के लिए उपयोग किया जाता है। इससे खतरनाक डाईआक्सीन वातावरण में मिल जाते हैं जो वातावरण को खराब करते हैं। एक रिपोर्ट के आधार पर पता चला है कि 80% प्रदूषण डाईआक्सीन के लिए पी०वी०सी० ही है। कार्बन श्रंखला का उत्पाद होने के कारण पी०वी०सी० के द्वारा कार्बन उत्सर्जन भी अत्याधिक मात्रा में होता है। उक्त प्रदर्शन सामग्री के अलावा निर्माण में प्रयुक्त रंगो के साथ–साथ विभिन्न तरह के रसायनों का प्रयोग भी किया जाता है जो मानवीय एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिए घातक है।

आजकल स्टार प्लेक्स प्रिंटिंग का चलन, लागत कम होने पर बढ़ा है परन्तु इसका निष्पादन नहीं हो पा रहा है। यदि प्रदर्शित सामग्री का उपयोग जलाने याढकने में नहीं होता है तो वह कचरा डिपो में पहुंच जाता है और प्रदूषण फैलाने का लगातार सिलसिला शुरू हो जाता है।

खुला कचरा वातावरण के लिये अभिशाप है तथा इसके ऊपर उपरोक्त सामग्री एक कैटालिस्ट का काम करती है। यदि यह कचरा घर या आस–पास पहुंच जाता है तो मीथेन जैसी विषैली गैस के बनने में उम्प्रेरक का कार्य करती है। वस्तुस्थिति यह है कि क्या आम जनता की सेहत और पर्यावरण को हानि पहुंचाते हुये बधाई सन्देशों को प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। क्या यही शक्ति प्रदर्शन का आधार है?

यदि इनके प्रदर्शन पर शुल्क लगता या कोई कार्यवाही होती तो सम्भवतः इन पर अंकुश लग सकता था। सामाजिक प्रदर्शित विज्ञापनों के उत्पाद को रोकने हेतु शासन द्वारा उचित एवं सामयिक कदम अतिशीघ्र उठाना चाहिए। शासन द्वारा दण्ड, संहितानुसार लगाया जाय अन्यथा यह चलन बढ़ता ही जायेगा जिससे वातावरण अत्याधिक प्रदूषित होता जायेगा। हम स्वस्थ रहेंगे तो देश भी स्वस्थ रहेगा। राष्ट्र समृद्ध होगा।

सभी देश तथा प्रदेश और अयोध्या वासियों को दीपावली एवं गोवर्धन पूजा तथा भैयादूज और छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

प्रोफे० जी० सी० पाण्डेय–(उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरणविद) अयोध्या (फैजाबाद), उत्तर प्रदेश

मध्यम वर्ग द्वारा कम किए गए खर्च

संजय

भारत के कुछ सबसे बड़े व्यापारिक संगठनों ने हाल ही में इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि उपभोक्ताओं का एक बड़ा वर्ग देश की प्रभावशाली वृहद आर्थिक वृद्धि दर के अनुरूप खर्च नहीं कर रहा है। मध्यम वर्ग द्वारा कम खर्च मुख्य रूप से फास्ट–मूविंग कंज्यूमर गुड्स सेगमेंट में देखा गया है। उदाहरण के लिए, दोपहिया वाहनों और साइकिलों की बिक्री में कमी आई है। इसका कारण यह है कि ऐसे उत्पादों के खरीदार जिद्दी मुद्रास्फीति और स्थिर आय के कारण उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों का दंश महसूस कर रहे हैं। नतीजतन, FMCG कंपनियों के घरेलू बाजार का एक बड़ा हिस्सा बढ़ नहीं रहा है। दूसरी ओर, आयातित वस्तुओं सहित महंगे उपभोक्ता सामानों पर अमीरों द्वारा

किया जाने वाला खर्च लगातार बढ़ रहा है। आय स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, सब्सिडी और कल्याण हस्तांतरण ने उन लोगों की खर्च करने की शक्ति में सुधार किया है जो सालाना पांच लाख रुपये से कम कमाते हैं। हालांकि, आय अर्जित करने वालों के इस समूह में औसत आय में वृद्धि FMCG क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए पर्याप्त नहीं रही है। कुल मिलाकर, रुझान अमीर और गरीब के बीच बढ़ती आर्थिक असमानता को दर्शाते हैं, साथ ही मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति कम होती जा रही है। इन प्रवृत्तियों के ठोस आर्थिक परिणाम हैं। FMCG और सस्ते टिकाऊ सामानों की कमजोर होती मांग को देखते हुए, कंपनियाँ अतिरिक्त क्षमता में निवेश करने से सावधान हैं। इसलिए, भौतिक पूंजी संचय की दर कम हो रही है। मुख्य रूप से आयात किए जाने वाले विलासिता के सामानों के लिए बढ़ता बाजार इन क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन शुरू करने का संकेत हो सकता है। लेकिन यह समय लेने वाला और अनिश्चित होगा। इस मोर्चे पर एक संबद्ध विकास यह प्रवृत्ति है जिसमें कंपनियाँ प्लांट और मशीनरी के बजाय वित्तीय निवेश की बड़ी खुराक में लिप्त हो रही हैं। अनिश्चित वैश्विक वित्तीय बाजारों को कोई भी झटका इस निवेशित धन का एक बड़ा हिस्सा नष्ट कर देगा। बढ़ती असमानता की इस प्रवृत्ति का एक और निहितार्थ यह है कि पाँच लाख रुपये से कम आय वाले लोग भोजन पर खर्च को प्राथमिकता दे सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप, खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में और वृद्धि हो सकती है। मध्यम वर्ग भी प्रसंस्कृत खाद्य खरीदने से रसोई में पकाए जाने वाले उत्पादों की ओर स्थानांतरित हो सकता है।

सुपर कंप्यूटर से क्वांटम कंप्यूटर्स तक

विवेक

एक समय था, जब अमेरिका ने भारत को सुपर कंप्यूटर की तकनीक देने से इनकार कर दिया था, मगर देश ने स्वदेशी तकनीक से न केवल सुपर कंप्यूटर परम बनाया, बल्कि अब क्वांटम कंप्यूटर बनाने की दहलीज पर है। यह मौजूदा कंप्यूटर से कई हजार गुना शक्तिशाली होगा। अमेरिका ने कुछ शर्तों पर पिछली पीढ़ी की तकनीक देने पर सहमति दी, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इसे चुनौती के तौर पर लिया। उस समय अमेरिकी सुपर कंप्यूटर की कीमत 37 करोड़ रुपए थी। उतनी कीमत में भारत ने स्वदेशी तकनीक से सौ वैज्ञानिकों की टीम के साथ एक नया केंद्र और सुपर कंप्यूटर परम, दोनों तैयार कर लिए थे। भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वदेशी तकनीक से परमरुद्र सहित तीन सुपर कंप्यूटर बनाए हैं। इनसे ब्रह्मांड की उत्पत्ति, ब्लैकहोल, खगोल विज्ञान और मौसम के क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। यह भारत की तकनीकी प्रगति में मील का पत्थर है। इससे कई नई तकनीकों का विकास होगा और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने हाल में इन सुपर कंप्यूटरों को देश को समर्पित किया। परमरुद्र के अलावा अन्य कंप्यूटरों के नाम अरका और अरुणिका रखे गए हैं। विश्व स्तर पर के पास सर्वाधिक सुपर कंप्यूटर हैं, उसके बाद अमेरिका, जापान, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, आयरलैंड और ब्रिटेन का स्थान है।

सुपर भारत सरकार ने मार्च 2015 में सात वर्षों की अवधि (2015–2022) के लिए 4,500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशनश की घोषणा की थी। इस मिशन के अंतर्गत सत्तर से अधिक उच्च प्रदर्शन वाले सुपर कंप्यूटरों के माध्यम से विशाल सुपर कंप्यूटिंग ग्रिड स्थापित कर देश भर के राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों और संस्थाओं को सशक्त बनाने की परिकल्पना की गई है।

इस परियोजना का उद्देश्य एक मजबूत भारतीय नेटवर्क स्थापित करना है, जो सुरक्षित और विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करने में सक्षम होगा। परमरुद्र सुपर कंप्यूटिंग सिस्टम की प्रोसेसिंग स्पीड एक पेटाफ्लाप प्रति सेकंड है। यानी यह एक सेकंड में दस लाख करोड़ फ्लोटिंग प्वाइंट आपरेशंस को अंजाम दे सकता है।

एलएसी पर डील अच्छा है, लेकिन हमें सावधानी से आगे बढ़ना होगा

ललित

भारतीय सामरिक समुदाय चीन–भारत संबंधों के क्षेत्र से आने वाली किसी भी अच्छी खबर को लेकर बेहद सतर्क है। इस विषय पर लगभग हर लेखन और विश्लेषण और मीडिया की अधिकांश राय दोनों देशों के बीच मौजूदा विश्वास की कमी के बारे में पूरी तरह से सतर्क रहने की आवश्यकता की ओर इशारा करती है, खासकर अप्रैल 2020 में शुरू हुए लद्दाख गतिरोध के बाद और विशेष रूप से 15 जून, 2020 को गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद, जिसमें एक कर्नल सहित 20 भारतीय सैनिक मारे गए। शायद यही कारण है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विघटन और सीमा गश्त पर समझौते की घोषणा के बारे में सावधानी बरती गई है। भावनाओं का मिश्रण व्यक्त किया जा रहा है। फिर भी, शायद ही कभी हमें इस तथ्य का उल्लेख मिलता है कि वर्तमान में यूरोप और मध्य पूर्व में दो अत्यधिक अस्थिर और विनाशकारी युद्ध चल रहे हैं। इस बीच, दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश, जो दोनों एशियाई हैं, कम से कम सीमा–संबंधी शत्रुता के कगार से मेल–मिलाप की ओर बढ़े हैं, जो चार साल पहले और उसके बाद से बड़े संघर्ष का कारण बन सकता था। बदलती विश्व व्यवस्था की उभरती वास्तविक ताओं की रुचि–आधारित भू– राजनीतिक सराहना ने कम से कम एक प्रक्रिया शुरू की है। उस प्रक्रिया में कोई बड़ा त्वरित समाधान नहीं है, लेकिन यह संघर्ष से दूर जाने के लिए एक ट्रिगर है और यह एक अन्यथा निराशाजनक भू– राजनीतिक परिदृश्य में एक स्वस्थ संकेत है जिसे हम महामारी के बाद के समय में देख रहे हैं। शैतान विवरण में हो सकता है, लेकिन संदेहवाद आखिरी चीज है जिसकी अब जरूरत है। चीन और भारत दोनों को अपने आपसी संबंधों में बदलाव की जरूरत है। 2014–19 की अत्यधिक सकारात्मक अवधि से जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग 18 बार मिले और चीन–भारत संबंधों का ग्राफ बहुत ऊपर चला गया, अप्रैल 2020 में अचानक रातोंरात मंदी ने दुनिया भर के अधिकांश पर्यवेक्षकों को आश्चर्यचकित कर दिया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुनिया के लिए सबसे अच्छी बात यह थी कि चीन–भारत संबंधों में हाथ से हाथ मिलाकर प्रगति हुई। यह दोनों देशों के बीच व्यापार के प्रतिकूल (भारत के लिए) संतुलन, सीमा पर धीरे–धीरे बढ़ते मुद्दे जिसके कारण 2017 में 72 दिनों का डोकलाम गतिरोध हुआ और भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय पहुंच के लिए चीन के प्रमुख उपाय, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (ठत्प्) का समर्थन करने से साफ इनकार करने के बावजूद हुआ। 2020 के वसंत में क्या गलत हुआ, इस पर अभी भी कई सिद्धांत हैं। कोविड–19 महामारी के शुरुआती दबाव नई दिल्ली में चिंता का कारण बनने लगे थे, जब पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (च्स्।) ने तिब्बत के भीतरी इलाकों में चल रहे सैन्य प्रशिक्षण युद्धाभ्यास से अपना रुख बदल लिया और स्।ब् के कथित संरेखण के साथ सामरिक तरीके से तैनात हो गई। रिकॉर्ड समय में भारतीय सेना द्वारा समान तैनाती मददगार थी, लेकिन इससे एक खतरनाक गतिरोध पैदा हुआ जिसके परिणामस्वरूप गलवान में झड़प हुई और फिर कई बैठकें हुईं, जिनसे सीमा पर तनाव को कम करने में बहुत मामूली मदद मिलीय राजनीतिक संबंध नकारात्मकता में डूबे रहे। सबसे बड़ा संकेतक रूस के कजान में हाल ही में हुई ब्रिक्स बैठक तक श्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच एक भी द्विपक्षीय बैठक नहीं होना था। तब मेरा आकलन बस इतना था कि अप्रैल 2020 से पहले के पांच वर्षों के संकेतकों से भारत का आसन्न उदय स्पष्ट था। शासन और विदेश नीति में श्री मोदी ने जो तीव्र सक्रियता दिखाई, वह कुछ ऐसा नहीं था जिसकी चीन को भारतीय क्षेत्र से उम्मीद थी। अनिश्चित दुनिया में संभावित रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बारे में बिल्कुल भी चिंतित नहीं, लेकिन निश्चित रूप से चिंतित, चीनियों ने शायद यह महसूस किया कि उभरते भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास को नुकसान पहुंचाने से वह इतना पीछे रह सकता है कि चीन को इससे निपटने के लिए लंबा समय मिल सकता है। इसका सैन्य और विदेश नीति के मुद्दों पर क्या अनुवाद हुआ, इस पर चीन ने कोई विस्तार से विचार नहीं किया। इस बात की कभी गारंटी नहीं थी कि पीएलए भारतीय सेना को सीमा युद्ध में हरा सकता है जो एक सामान्य युद्ध में विस्तारित हो सकता है। पिछले दो वर्षों में दुनिया काफी तेजी से बदल गई है, जिसमें चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट और एक नई भू–राजनीतिक व्यवस्था का उदय शामिल है। जबकि चीन–रूस समीकरण उत्कृष्ट बना हुआ है, वही चीन–यूरोपीय संघ या चीन–अमेरिका संबंधों के बारे में नहीं कहा जा सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते व्यापार तनाव ने चीन को अपने व्यापार संबंधों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है, भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है जिस तक वह हमेशा एक इच्छुक आर्थिक संबंध के माध्यम से पहुँचना पसंद करेगा, न कि किसी बाध्यकारी लेन–देन समीकरण के समान। जबकि अमेरिका यूक्रेन संघर्ष में एक प्रायोजक के रूप में आंतरिक रूप से शामिल है, इसने चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के उद्देश्य से एशिया की ओर एक रणनीतिक बदलाव भी किया है। इसलिए, हिमालयी सीमा को अपनी बड़ी सुरक्षा चिंताओं से अलग करना निश्चित रूप से चीन के लिए भी फायदेमंद होगा। यह शायद महसूस करता है कि भारत को सावधान करने का उसका बड़ा लक्ष्य पर्याप्त रूप से हासिल हो गया है।

विधि विधान से पूजे गए भगवान चित्रगुप्त जी, निकाली गई शोभा यात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भगवान चित्रगुप्त पूजन के अवसर पर आज भगवान चित्रगुप्त मन्दिर बारी नाथ मठ में विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया जिसमें भगवान चित्रगुप्त के भक्तों एवं भगवान चित्रगुप्त पूजन महासमिति,कायस्थ महासभा, राष्ट्रीय संगत पंगत, युवा चित्रांश परिवार, एकता मंच, कायस्थ समाज , चित्रगुप्त सभा,के पी ट्रस्ट साहित आदि संगठनों के लोगो ने पूजन दिव्य आरती छप्पन भोग लगाया गया उसके बाद विशाल शोभायात्रा बारी नाथ मठ से निकला जिसमें भगवान चित्रगुप्त प्रतिमा रथ पर सुसज्जित लगी हुई थी और अनेक महापुरुषों की झांकियां, बैंड बाजा, डीजे साउंड पर भजन बज रहा था सैकड़ों महिलाये बच्चे पुरुष भगवान चित्रगुप्त के रथ के आगे झूमते नाचते चल रहे थे वही हजारों दुपहिया वाहन वाले भी भगवान चित्रगुप्त के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे भगवान चित्रगुप्त सुसज्जित रथ पर जगह जगह नगरवासियों ने विभिन्न सामाजिक संगठनो ने पूजन अर्चन कर आरती उतारी एवं शोभायात्रा में शामिल लोगों पर पुष्प वर्षा किया। पूरे नगर में विभिन्न जगहों पर कोतवाली चौराहे पर गहना कोठी परिवार के विनीत सेठ, चहारसू चौराहे पर व्यापार मण्डल के लोगो ने जायसवाल समाज स्वर्णकार समाज अग्रहरि समाज के लोगो ने भगवान चित्रगुप्त प्रतिमा पर पुष्प वर्षा की वही शाही पुल पर भाजपा नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव भाजपा नगर अध्यक्ष विकास शर्मा ने अपने टीम के साथ स्वागत किया।ओलंदगंज में मेडिकल एसोसिएशन के दिवाकर सिंह ने भगवान चित्रगुप्त जी का पूजन किया।स्वागत द्वार छठा बिखेर रही थी। राष्ट्रीय संगत पंगत के वरिष्ठ नेता, कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त सभी जाती धर्म के भगवान हैं वे सभी का लेखा जोखा रखते है और आराध्य देव हैं जो ब्रह्मा भगवान के काया से उत्पन हुए हैं। पूजन शोभायात्रा में नगरवासियों ने जिस उत्साह से भाग लिया वे सराहनीय है। शोभायात्रा जुलूस संयोजक राकेश श्रीवास्तव साधु, भाजपा नेता सुरेश अस्थाना ने कहा कि सामाजिक संगठन ने जो सहयोग देकर ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली उन सभी संगठनों के आभारी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त पूजन में आज एकजुटता दिखाई दी। पूजन संयोजक प्रभारी गिरिजेश श्रीवास्तव ने कहा कि सामाजिक न्याय के देवता हैं भगवान चित्रगुप्त जो सबके साथ न्याय करते है। कायस्थ महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि आज हजारों भगवान चित्रगुप्त के भक्तों ने शोभायात्रा में शामिल होकर कृतार्थ किया अगली साल पुनः विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। कायस्थ महासभा 5680 के प्रदेश महामंत्री/जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि बारी नाथ मठ में भगवान चित्रगुप्त मन्दिर प्राचीन मंदिर है वहां पूजन करने से मनोकामना पूरी होती हैं। कार्यक्रम मीडिया प्रभारी, राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार ने कहा कि आज हजारों लोगों ने भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा में शामिल होकर एक लकीर खींची है जो तारीफ योग्य हैं अंत में चित्रगुप्त सभा द्वारा आयोजित भगवान चित्रगुप्त जी की विशाल आरती में हजारों लोगों ने भाग लिया।शोभायात्रा में चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव महामंत्री श्यामलकांत श्रीवास्तव कायस्थ एकता के अध्यक्ष दयाशंकर निगम संतोष श्रीवास्तव अजय वर्मा अज्जू, सन्तोष श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव राजा,संदीप श्रीवास्तव पत्रकार आशीष श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव, डॉ संजय श्रीवास्तव, डॉ विवेक श्रीवास्तव डॉ निलेश श्रीवास्तव, अनुपम श्रीवास्तव चन्द्र मोहन श्रीवास्तव शशि श्रीवास्तव , वरिष्ठ नेता सरोज श्रीवास्तव,कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव डॉ अशोक अस्थाना, रथ प्रभारी अमित श्रीवास्तव विनय श्रीवास्तव सन्तोष निगम अनीस श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव मनोज श्रीवास्तव भाजपा नेता अजीत श्रीवास्तव राजीव श्रीवास्तव आतिश श्रीवास्तव, अतीत गुडलक श्रीवास्तव, राजेश किशोर, कुंवर श्रीवास्तव पप्पू श्रीवास्तव, उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल, प्रमोद श्रीवास्तव प्रिंसिपल, सपा के उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव,विशाल श्रीवास्तव कुंवर अस्थाना,सृजन श्रीवास्तव, मोहित श्रीवास्तव,रमेश चन्द श्रीवास्तव अखिलेश श्रीवास्तव , मोहन शंकर श्रीवास्तव प्रभात श्रीवास्तव अनूप श्रीवास्तव, जितेन्द्र मोहन श्रीवास्तव,तुषार राजा श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास्तव विजय श्रीवास्तव, आलोक वर्मा, रितेश श्रीवास्तव, आदि थे ,शोभायात्रा जुलूस में भारी संख्या में पीएसी, पुलिस बल, शहर कोतवाल मिथलेश मिश्रा जी अपने सहयोगियों के साथ चल रहे थे।

सोमपाल गंगवार बने थाना अध्यक्ष पचदेवरा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई में पुलिसअधीक्षक द्वारा दिनांक 03.11.2024 को जनपदीय स्थापना बोर्ड की बैठक की गयी। स्थापना बोर्ड की बैठक में लिये गये निर्णय के फलस्वरूप अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा कानून व्यवस्था को और भी अधिक सुदृढ़ बनाये रखने के उद्देश्य से जनहित में निम्नांकित निरीक्षक ध उपनिरीक्षक का स्थानांतरण उनके नाम के सम्मुख अंकित स्थान हेतु किया जाता है। संबंधित तत्काल नवनियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण कर अनुपालन आख्या प्रेषित करें।

घर से कुछ दूर खेत में विवाहिता का मिला शव, क्षेत्र मे फैली सनसनी

सुजानगंज। क्षेत्र के खतिरहा ग्राम सभा मे सुबह तड़के घर से कुछ ही दुरी पर शव मिलने से सनसनी फैल गई परिजनों के माध्यम से इसकी सूचना थाने पर दी गई. सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को लेकर थाने आई और आवश्यक कार्यवाही मे जुट गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपालपुर निवासी नागेंद्र उर्फ लोधई हरिजन की पुत्री ममता की शादी 2010 मे खतिरहा गाँव निवासी अवधेश उर्फ बबलू से हुई थी. रविवार को सुबह तड़के ममता का शव घर से महज दो सौ मीटर की दुरी पर मिला. सुबह जब ग्रामीण शौच के लिए गए तो शव को देखा तो इसकी सूचना उसके पति और परिजन को दी तो मौके पर मृत्तिका के पति और परिजन पहुंचे तो इसकी सूचना डायल 100 को दी और सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस शव को लेकर थाने आई और आवश्यक कार्यवाही जुट गई. मृत्तिका के पति अवधेश कुमार के अनुसार शनिवार को अपने काम से वापस आने पर रात को करीब आठ बजे खाना खाकर वह सो गया और रात में नीद खुली तो वह उसको ढूढ़ने लगा परन्तु कही भी उसका पता नहीं चला तो वह आस पास के लोगो से भी इस मामले मे चर्चा की तभी सुबह होते ही ग्रामीणों के माध्यम से शव को घर से कुछ दूर होने की सूचना मिली.मृतिका के पास एक पुत्र पवन उम्र 12 वर्ष और पुत्री शीतल उम्र 9 वर्ष है.इस मामले मे थानाध्यक्ष राजीव मल्ल ने बताया की मृत्तिका के भाई छोटे लाल की तरफ से तहरीर प्राप्त हुई है और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज की जा रही है और जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी.

श्री चित्रगुप्त सभी वर्गों और समुदायों के आराध्य - आनंद वीर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संसारिक सभी जीवों के अच्छे बुरे सभी कर्मो का लेखा जोखा रखने वाले,धर्मराज एवं यमराज को सृष्टि संचालन में सहयोग करने वाले भगवान चित्रगुप्त जयंती रविवार को श्री चित्रगुप्त धाम सेवा ट्रस्ट द्वारा चौक स्थित राम वाटिका मैदान में श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाई गई।इस अवसर पर चित्रगुप्त भगवान की पूजा–पाठ के साथ साथ कागज और लेखनी की पूजा कर समाज में प्रेम सौहार्द एवं समरसता की कामना की गई।

इस मौके पर आनंद वीर श्रीवास्तव ने कहा कि श्री चित्रगुप्त सभी वर्गों और समुदायों के आराध्य देव हैं।उन्होंने बताया कि सृष्टि के आरंभ से लेकर आज तक अनवरत रूप से हर वर्ष भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की जाती है।सृष्टि के न्यायाधीश कर्माधिकारी, लेखनी के प्रणेता सभी जीवो के चित्त में गुप्त रूप से विराजित रह कर उनके कर्मों का लेखन करने वाले महाप्रभु चित्रगुप्त भगवान के लेखनी कलम दवात पूजन की ढेरो शुभकामनाएं।

भाजपा नेता नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त के बिना सृष्टि का संचालन असंभव है। भगवान चित्रगुप्त सभी जाति धर्म के लोगों के सभी प्रकार के अच्छे बुरे सभी कर्मों का लेखा जोखा कर उसे उसका फल निर्धारित करते हैं। उन्होंने कहा कि चित्रगुप्त पूजा के माध्यम से कायस्थ परिवारों द्वारा विशेष रुप से कलम दवात की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन एवं देश के विकास में कायस्थ परिवारों की सदैव अग्रणी भूमिका रही है। हरिद्वार के सत्यम श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त सभी जाति धर्म के देवता हैं।लेकिन इनकी पूजा सिर्फ कायस्थ जाति के लोग ही करते हैं।आज के दिन इनकी पूजा आराधना करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है। आयोजक सत्येंद्र श्रीवास्तव ने आये हुए सभी अभ्यागतों का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर अम्बरीष कुमार सक्सेना, अभिषेक श्रीवास्तव, सत्यम ,राजू,आकाश,अवी एवं शिव सत्संग मण्डल के अध्यक्ष आचार्य अशोक आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मल्लावां पुलिस ने दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस के मुताबिक वादी नाहर सिंह पुत्र भूपाल सिंह निवासी ग्राम दाऊदपुर थाना मल्लावां जनपद हरदोई द्वारा थाना मल्लावां पर तहरीर दी गयी कि अभियुक्त अमरेश, शिवरतन, रुकमंगल पुत्रगण सुखपाल निवासी ग्राम दाऊदपुर थाना मल्लावां जनपद हरदोई आदि द्वारा वादी व वादी के परिवारीजनों के साथ मारपीट/गाली–गलौज की गयी। इस सम्बन्ध में थाना मल्लावां पर मु0अ0सं0 465/24 धारा 3(5) /115(2)/131/109 बीएनएस बनाम अमरेश, शिवरतन, रुकमंगल पुत्रगण सुखपाल आदि पंजीकृत किया गया। कार्यवाही के बारे में पुलिस ने बताया कि जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना मल्लावां पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्तों अमरेश पुत्र सुखपाल, अपिन पुत्र शिवरतन निवासीगण ग्राम दाऊदपुर थाना मल्लावां जनपद हरदोई को गिरफ्तार कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की गई। अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

लखनऊ छावनी परिषद् वेस्ट टू वेल्थ की दिशा में नया कदम रखेगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के संसदीय क्षेत्र में लखनऊ छावनी परिषद्, आर्टीफिशिअल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स आधारित जीरो वेस्ट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट लगाने की योजना बना कर रहा है। इस सम्बन्ध में डी.पी.आर. बनाने हेतु तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए Memorandum of Understanding पर आज दिनांक 02 नवम्बर 2024 को आई.आई.टी., कानपुर के सभागार में रक्षामंत्री की उपस्थिति में लखनऊ छावनी परिषद् एवं आई.आई.टी., कानपुर के बीच में हस्ताक्षर हुए। यह अपने तरीके की देश कि पहली आधुनिकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई होगी जो की कई पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लाभ प्रदान करेगी। यह अत्याधुनिक इकाई जीरो वेस्ट उत्पन्न करेगी तथा इससे निकलने वाले उप उत्पाद जैसे कि त्व्क्ष को फैक्ट्रीज, इंडस्ट्रीज में इंधन के रूप में प्रयोग किया जाएगा तथा मेटल ब्लॉक, प्लास्टिक कचरे को पुनर्चक्रित कर व्यावसायिक उपयोग में लाया जा सकेगा जिससे कि लखनऊ छावनी परिषद् द्वारा वेस्ट टू वेल्थ की दिशा में नया कदम रखेगा। यह MoU लखनऊ छावनी परिषद् की तरफ से श्री अभिषेक राठौर, मुख्य अधिशासी अधिकारी तथा आई.आई.टी., कानपुर की तरफ से डॉ. तरुण गुप्ता, डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के द्वारा हस्ताक्षरित हुए। इस मोके पर श्रीमती भावना सिंह, प्रधान निदेशक, रक्षा सम्पदा, मध्य कमान भी उपस्थित रहीं।

निदेशक, प्राणि उद्यान, लखनऊ अदिति शर्मा को रू0 151800/– का चेक प्रदान किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री अवनीश अवस्थी, पूर्व मुख्य सचिव की पोती अहिल्या अवस्थी एवं श्रीमती मालिनी अवस्थी लोक गायिका द्वारा नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के सिंघ पूंछ बंदर तथा हिमालयन काला भालू का अंगीकरण किया गया। इस अवसर पर श्री अवनीश अवस्थी एवं श्रीमती मालिनी अवस्थी द्वारा निदेशक, प्राणि उद्यान, लखनऊ श्रीमती अदिति शर्मा को रू0 151800/– का चेक प्रदान किया। वर्ष 2021 में श्रीमती मालिनी अवस्थी द्वारा हिमालयन काला भालू का अंगीकरण किया गया था।

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ में अंगीकरण योजना वर्ष 1994 में प्रारंभ की गई थी। इस अंगीकरण योजना को प्रारंभ करने का मूल उद्देश्य था कि देश–प्रदेश में कोई भी व्यक्ति, शिक्षण संस्थान, उद्योगबंधु, सेलिब्रिटी एवं बच्चे इस योजना से जुड़कर वन्य जीवों के संरक्षण में अपना योगदान दे सकें। इस योजना से जुड़ने वाले व्यक्तियों को अडॉप्शन मेंबरशिप कार्ड, प्रशस्ति पत्र, 80जी के अंतर्गत टैक्स में छूट का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

अंगीकरण योजना के माध्यम से वन्य जीवों के संरक्षण, खानपान, उनके व्यवहार के बारे में जानने व समझने का अवसर प्राप्त होता है। अंगीकरण योजना आम जनमानस में वन्य जीवों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का शसक्त माध्यम है।

श्री अवनीश अवस्थी एवं श्रीमती मालिनी अवस्थी ने प्राणि उद्यान का भ्रमण किया तथा हिमालयन काला भालू एवं सिंघ पूंछ बंदर के बाड़े पर जाकर उन्हें देखा। वन्य जीवों को देख नन्ही अहिल्या बहुत खुश नजर आयी। श्री अवनीश अवस्थी एवं श्रीमती मालिनी अवस्थी ने प्रदेश की सम्मानित जनता से अपील की कि वन्य जीवों से जुड़ने के लिए प्राणि उद्यान की अंगीकरण योजना का लाभ उठाएं और वन्य जीवों के संरक्षण में अपना योगदान दें। निदेशक, प्राणि उद्यान ने श्री अवनीश अवस्थी एवं श्रीमती मालिनी अवस्थी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राणि उद्यान, लखनऊ के वन्य जीवों को भविष्य में भी आपका प्यार एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

26 समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस अधीक्षक जनपद हरदोई द्वारा आमजन की समस्या का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिये वन डे वन प्रॉब्लम की शुरुआत की गई है जिसमें जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को प्रत्येक दिवस आमजन मानस से जुडी किसी भी एक समस्या का पूर्णतया: निस्तारण करना है। इसी क्रम में दिनांक 02.11.2024 को जनपद में समस्त राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों द्वारा कुल 26 समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण किया गया।

सड़क पर लगा कूड़े का अंबार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाजसेवी सर्व मित्र भट्ट ने बताया कि खदरा रोड पर शिया कॉलेज के सामने सीतापुर जाने वाले सड़क पर कूड़े का अंबार, जिससे नजदीकी क्षेत्र में बदबू और बीमारी फैल रही है। राजधानी में मलेरिया और डेंगू के मरीज निरंतर बढ़ रहे हैं। मच्छरों की भरमार है, नालियां बजबजा रही हैं। जगह–जगह कूड़े के अंबार लगे हैं, मच्छरों से राजधानी में मलेरिया,डेंगू के मरीज निरंतर बढ़ रहे हैं।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शांतिपूर्ण ढंग से मना दीपावली पर्व

अयोध्या। गुरुवार को शहर से लेकर गांव तक दीपावली का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।इस मौके पर जहां एक ओर शहर के विभिन्न इलाकों में छोटे–छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों तक जमकर पटाखे आदि छुडाये वहीं महिलाएं व लडकिया त भी पटाखे तो नहीं छुड़ाई लेकिन फुलझड़ियां छुड़ाने में भी पीछे नहीं रही।और हो भी क्यों ना क्योंकि दीपावली एक ऐसा पर्व है जो खुशियों और उत्साह का प्रतीक माना जाता है।इस पर्व को मनाने के लिए लोग एक महीने पहले से ही तैयारी मे जुट जाते है। दीपावली की शाम को शहर के चौक, मकबरा, सुभाष नगर, रिकाबगंज, वजीरगंज, देवकाली, अश्विनीपुरम कॉलोनी, हैदरगंज,शांति चौक,सिविल लाइन, फतेहगंज,सहित सभी मोहल्ले में शाम से ही लोग अपने –अपने घरों में मोमबत्तिया, इलेक्ट्रिक लाइट,मिट्टी से निर्मित दीपक आदि जलाकर फिर पूजा क आतिशबाजी छोड़ते हुए दिखाई दे रहे थे।शहर के अलावा ग्रामीण अंचलों में भी सुबह उठकर जहां एक ओर महिलाएं अपने अपने घरों को साफ सफाई करने में लगी रही।वे सभी महिलाए अपने–अपने परिवारों के साथ इस पर्व को हर्षोल्लाह पूर्वक मनाते हुए दिखाई दी। जिले के। सभी थाना क्षेत्रों मे यह पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।इस मौके पर बच्चे हो या बुजुर्ग सभी लोगों ने जमकर आतिशबाजिया छुडाये।वही छोटी–छोटी बच्चियां, वह महिलाएं भी इस मौके आतिशबाजी छुड़ाते हुए नजर आ रही थी।

इससे पहले महिलाएं व बच्चे धान की देवी लक्ष्मी जी के साथ–साथ गणेश भगवान,हनुमान जी के अलावा अन्य देवी देवताओं की पूजा किया।फिर इन महिलाओं ने दीपक मामबत्तियां आदि जलाकर अपने अपने घरों,छतो व बाहर की दीवारों को भी प्रकाश से जगमग किया।जहाँ पर उनकी मदद छोटी–छोटी बच्चियां व बच्चे करते हुए दिखाई दे रहे थे।जो थाली में सजे दीपक वह मोमबत्तियां भी लगाते हुए नजर आए इसके बाद यह लोग अपने परिवार के साथ लक्ष्मी गणेश भगवान की पूजा करके आरती उतारा पश्चात आतिशबाजियों व अन्य फुलझड़ी रॉकेट आदि जलाया।इस मौके पर महिलाएं बच्चियों,छोटे–छोटे बच्चे लोग भी फुलझड़ी आदि छुडाते हुए दिखाई दे रहे थे जबकि युवा वर्ग के लोग पटाखें आदि छुडा रहे थे।वहीं इस पुलिस प्रशासन भी काफी सक्रिय दिखाई दे रही थी।जिसके चलते इस वर्ष भी दीपावली पर्व पर कोई भी अप्रिय घटना जिले के किसी भी थाना क्षेत्र में नहीं घटी।बताते चले कि दशहरा,दीपोत्सव के साथ–साथ दीपावली पर्व को सकुशल संपन्न करने के लिए खुद एसएसपी राज करन नैय्यर ने एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के साथ जिले के सभी सीओ, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष के साथ बैठक कर सख्त निर्देश दिये थे कि पटाखा व विस्फोटक सामग्री का भंडारण करने व बचने वाले पर शिकंजा कसे।इसका नतीजा जा रहा कि दीपावली पर्व पर किसी भी थाना क्षेत्र से किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं प्राप्त हुई।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया चारबाग रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ, एस. एम. शर्मा ने मंडल के अन्य अधिकारियों के साथ लखनऊ स्थित चारबाग रेलवे स्टेशन का गहनता से निरीक्षण किया।अपने आज के इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने दीपावली एवं छठ पर्वों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर आवागमन करने वाले यात्रियों को प्रदान की जाने वाली यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन की नीतियों,यात्री सुरक्षा एवं संरक्षित गाड़ी परिचालन सहित सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया तथा इस विषय में आवश्यक निर्देश पारित किए। उन्होंने खानपान के स्टॉल, शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था, मेडिकल बूथ, हेल्प डेस्क, होल्डिंग एरिया, स्वच्छता, आरपीएफ कंट्रोल रूम, विश्रामालय, प्रतीक्षालय,पार्सल ऑफिस, स्टेशन परिसर सहित सभी व्यवस्थाओं एवं अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं को जांचा। उन्होंने इस अवसर पर यात्री सहायकों (कुलियों) से संवाद किया तथा उनकी रेल संबंधी समस्याओं को अपने संज्ञान में लेते हुए इनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने अवगत कराया कि इस त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुगम और आनंदमयी यात्रा के लिए मंडल द्वारा पहले से ही स्थापित व्यवस्थाओं के साथ अनेक प्रकार की अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को भी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कार्य करते हुए उचित संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर भीड़ प्रबंधन का काम किया जा रहा है तथा उद्घोषणा प्रणाली द्वारा लगातार यात्रियों को उनकी गाड़ी संबंधी सूचनाएं प्रदान की जा रही हैं। नियमित टिकट काउंटरों सहित ATVM काउंटरों को 24X7 संचालित किया जा रहा है तथा यात्री सुविधा स्थलों, यात्रियों हेतु होल्डिंग एरिया, डॉग स्क्वायड, मेडिकल काउंटर, हेल्प डेस्क तथा क्विक रिस्पॉन्स टीम की व्यवस्था की गई है तथा यात्रियों की यात्रा संबंधी शिकायतों के तत्काल निवारण की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर अनेक विभागों के शाखाध्यक्षों सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मल्लावां पुलिस ने अचेत अवस्था में मिले युवक को उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई में थाना मल्लावां पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत संध्याकालीन गस्त की जा रही थी। उसी दौरान कासिमपुर रोड नया गांव चौराहा के निकट सडक किनारे एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला तथा जिनके पास में मोटरसाइकिल पडी हुई थी। मौजूद पुलिस कर्मियों द्वारा त्वरित आवश्यक कार्यवाही करते हुए उक्त व्यक्ति को सी.पी.आर दिया गया तत्पश्चात उक्त व्यक्ति को उपचार हेतु सीएचसी मल्लावां, हरदोई में भर्ती कराया गया। व्यक्ति से पूछताछ करने के उपरान्त व्यक्ति द्वारा अपना मोईन पुत्र मशूक निवासी कस्बा बालामऊ थाना कछौना जनपद हरदोई बताया।

स्थानीय पुलिस द्वारा जरिए दूरभाष से सम्बन्धित व्यक्ति के परिजनों को सूचित किया गया। वर्तमान में व्यक्ति की स्थिति सामान्य है। स्थानीय पुलिस द्वारा अन्य आवश्यक कार्यवाही प्रचलित है।

नवनिर्मित पुलिस चौकी उजरियांव का उद्घाटन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त पूर्वी द्वारा पूर्वी जोन लखनऊ के थाना गोमतीनगर की नवनिर्मित पुलिस चौकी उजरियांव का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी, सहायक पुलिस आयुक्त गोमतीनगर, प्रभारी निरीक्षक

गोमतीनगर व अन्य पुलिसकर्मी थाना गोमतीनगर उपस्थित रहे।

67 यूपी वाहिनी एनसीसी द्वारा रेड रोज सीनियर सेकेंडरी स्कूल लखनऊ में भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ की प्रतिष्ठित एनसीसी बटालियन 67 यूपी वाहिनी एनसीसी के द्वारा रेड रोज सीनियर सेकेंडरी स्कूल लखनऊ में भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूल के 89 छात्रध्छात्राओ ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर 67 यूपी वाहिनी एनसीसी के सीओ कर्नल पुनीत श्रीवास्तव ने सभी छात्रध्छात्राओ को एनएसीसी के बारे में जानकरी दी। शारीरिक दक्षता और 400 मीटर दौड़ और लिखित परीक्षा का आयोजन किया। बच्चों में काफी उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। स्कूल की चेयर फाउंडर स्मिता मिश्रा और मैनेजर एम के दीक्षित मौजूद रहे। इस दौरान बटालियन सूबेदार मेजर रंजीत कुमार, ट्रेनिग जेसीओ सूबेदार जितेंद्र गुप्ता, ट्रेनिंग एनसीओ सीएचएम आनंद कुमार, हवलदार आनंद प्रताप, सीटीओ अभय राज मौजूद रहे।

घर में चल रहा था अवैध बूचड़खाना, तीन गिरफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखनाथ इलाके के जाहिदाबाद अंसार मस्जिद के पास एक घर में अवैध रूप से चल रहे बूचड़खाना का पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से पुलिस ने 15 पशु और उसे काटने में इस्तेमाल होने वाले औजार और कटे मांस को बरामद किया। आरोपी फरहान, मोहम्मद अमन और महमूद आलम पर केस दर्ज कर पुलिस ने जेल भेज दिया। गोरखनाथ थाने में उप निरीक्षक दुर्गेश सिंह ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने तहरीर में लिखा है कि त्योहार को देखते हुए वह क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। रामनगर चौराहे पर मौजूद थे, तभी मुखबिर खास से सूचना मिली कि जाहिदाबाद मोहल्ले में अवैध रूप से बूचड़खाना चलाया जा रहा है। सूचना पर हमराहियों के साथ मौके पर पहुंच गए। एक घर में घुसते ही कटे हुए कुछ मीट और फरहान मिला। अंदर कमरे में दो अन्य आरोपी छिपे थे। मौके से ही पशु बरामद किए गए, जिन्हें काटने के लिए रखा गया था। जांच के दौरान काटने वाले औजार भी मिल गए। आरोपियों ने बताया कि वह मांस काटकर बेचने का काम करते हैं।

दिवाली पर बिजली निगम की तैयारी

गोरखपुर, संवाददाता। दिवाली को लेकर उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना न करना पड़े व सरकार के निर्देशों के अनुसार उपभोक्ताओं को चौबीस घंटे बिजली सप्लाई देने के लिए बिजली निगम ने तैयारी कर ली है।

इसको लेकर बिजली निगम का कंट्रोल रूम सक्रिय हो गया है। कंट्रोल रूम मुख्य अभियंता कार्यालय में बना है। किसी भी समस्या को लेकर उपभोक्ता कंट्रोल रूम के नंबर 6392669034 पर सूचना दे सकते हैं। जिस पर ड्यूटी पर लगे अधिकारी व कर्मचारी तत्काल समस्या का समाधान करवाएंगे। कंट्रोल रूम में 24 घंटे शिफ्ट वाइज ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही निर्देश दिया गया है कि सभी अभियंता व अधिशासी अभियंता अपने–अपने क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे ताकी किसी प्रकार की घटना न घटने पाए।

अधीक्षण अभियंता शहरी लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि लोगों को 24 घंटे बिजली सप्लाई दी जा रही है। दिवाली के दिन खास तौर पर कंट्रोल रूम को सक्रिय किया गया है। किसी भी घटना या फॉल्ट की जानकारी इस पर दी जा सकती है। तत्काल समस्या का समाधान किया जाएगा।

ददरी मेले के लिए नोडल अधिकारी बनाए जाने का विरोध जारी

बलिया, संवाददाता। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने ददरी मेले के लिए अधिकारियों को नोडल बनाया है। लेकिन इस आदेश के विरोध में नपा अध्यक्ष संत कुमार के नेतृत्व में सभासदों ने आजमगढ़ मंडल के आयुक्त मनीष चौहान से मुलाकात की और पत्रक सौंपा। इसमें डीएम के निर्णय पर रोक लगाने की मांग की गई। पत्रक में उल्लेख किया कि जिलाधिकारी ने 26 अक्तूबर को पत्र जारी कर ददरी मेले के संचालन की संपूर्ण व्यवस्था के लिए अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

जबकि नगर पालिका परिषद की नियमावली के अनुसार, मेले का प्रबंधन नगर पालिका द्वारा किए जाने की व्यवस्था है। प्रबंध व्यवस्था के लिए जनरल ऑफिस इंचार्ज को संपूर्ण व्यवस्था के लिए उत्तरदायी बताया गया है। नपा के अधिशासी अधिकारी को सहायक के तौर पर नामित किया गया है। नियमावली में पालिकाध्यक्ष को जनरल ऑफिस इंचार्ज बताया गया है। लेकिन डीएम ने बगैर नपा बोर्ड की सहमति और बगैर किसी सूचना के ददरी मेला के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। इतना ही नहीं डीएम ने इस कार्रवाई से नपा अध्यक्ष और बोर्ड को भी अवगत नहीं कराया, जो नपा अध्यक्ष व बोर्ड के अधिकारों को पूर्णतया अतिक्रमण है। इससे सभी 25 वार्डों के सभासदों में काफी आक्रोश व्याप्त है।

आजमगढ़ में चार लोगों की मौत

आजमगढ़, संवाददाता। निजामाबाद थाना क्षेत्र के डोडोपुर गांव से होकर गुजरी तमसा नदी के किनारे अज्ञात युवती का शव मिला। के पर पहुंची पुलिस ने शव के शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन नहीं हो सका। निजामाबाद के डोडोपुर ग्राम सभा में तमसा नदी के किनारे एक बुधवार को एक अज्ञात युवती का शव मिला। थानाध्यक्ष हीरेंद्र प्रताप सिंह ने शव को कब्जे में लिया और आगे की जांच शुरू कर दी है। अभी तक युवती की पहचान नहीं हो पाई है और न ही यह पता चल पाया है कि वह कहां से आई थी या उसकी मौत का कारण क्या था।

दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बिंद्राबाजार थाना क्षेत्र के गंभीरपुर के रोहुआं के पास एक सड़क दुर्घटना में 35 वर्षीय झिनकू राम गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, झिनकू राम अपनी मोटरसाइकिल पर गोसाई की बाजार से अपने घर धनौली लौट रहे थे। जैसे ही वह संत निरंकारी भवन रोहुआं के पास पहुंचे, उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसके कारण वह गंभीर घायल हो गए। घटना के बाद अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया।

ईंट भट्ठा मजदूर की मौत, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के नियाउज स्थित ईंट भट्ठा पर काम करने वाले मजदूर की मंगलवार को दिन में अचानक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक झारखंड प्रांत जिले के सिनडेगा थाना क्षेत्र खुरडेग हेकमा के चापा वारी गांव निवासी है। शत्रुघ्न भोय (35) फूलपुर के नियाउज गांव में एक ईंट–भट्ठा पर मजदूरी करता था। मंगलवार को दोपहर खाना खाकर सो गया। थोड़ी देर बाद जब वह भट्ठे पर काम करने नहीं आया तो उसका साथी दिनेश वैगा उसे जगाने गया तो वह उठा नहीं। उसने इसकी सूचना भट्ठा मालिक सतीश कुमार को दिया। मौके पर पहुंचने पर उसे जगाने का प्रयास किया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। दिनेश वैगा की तहरीर पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रेन की पटरी पर मिला युवती का शव

आजमगढ़ के निजामाबाद थाना क्षेत्र के परसहा गांव के सामने बुधवार को रेलवे ट्रैक पर युवती का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। निजामाबाद थाना क्षेत्र के परसहा गांव निवासी शिवांगी (18) पुत्र शैलेश राम का शव गांव के सामने से गुजर रहे रेलवे ट्रैक पर मिला। मृतका मंगलवार की रात से ही घर से गायब थी। परिजन काफी खोजबीन किए लेकिन कुछ पता नहीं चला। परिजन थक कर घर चले गए। सुबह होने पर युवती का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त शिवांगी के रूप में की।

इलाज कराने गई थी, चोरों ने घर का ताला तोड़ की लाखों की चोरी

गोरखपुर, संवाददाता। शिवपुर शहबाजगंज में रविवार की रात अज्ञात चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर आलमारी के लॉकर में रखे गहने व दो लाख नगदी चोरी कर लिया। पड़ोसी ने मकान का दरवाजा खुला देख घरवालों को सूचना दी। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के शिवपुर शहबाजगंज की रहने वाली नीता देवी सितंबर में पति हरिद्वार का इलाज कराने लखनऊ गई थी। अपने मकान में ताला बंद कर चाभी पड़ोसी अनिल को दे दी थी। सोमवार को अनिल ने फोन कर सूचना दिया कि आपके मकान का ताला टूटा हुआ है। लखनऊ से लौटकर देखा तो आलमारी तोड़कर गहने सहित लॉकर में रखा दो लाख नगदी चोरी हो गई है। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस बुधवार को केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

एम्स में नौकरी के नाम पर जालसाजी, केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर एम्स में संविदा पर नौकरी दिलाने के नाम पर पिपराइच निवासी कुंदन के साथ जालसाजों ने 1.45 लाख रुपये की जालसाजी कर दी। जंगल क्षत्रधारी लालगंज निवासी पीड़ित कुंदन की मां रंभा ने पिपराइच थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर शाहपुर थाना क्षेत्र के गीता वाटिका निवासी धर्मेन्द्र गौतम, रविचंद्र, महेंद्र चौहान तथा चौरी चौरा हरैया निवासी कोमल शर्मा के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। रंभा देवी ने पिपराइच पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि धर्मेन्द्र गौतम, रविचंद्र, महेंद्र चौहान और कोमल शर्मा मिलकर जालससाजी करते हैं। लोगों को अपने जाल में फंसाकर जालसाजी का धंधा करते हैं। एम्स में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 1.45 लाख रुपये हड़प लिए।

इसके बदले फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया। एम्स के जिम्मेदार लोगों ने नियुक्ति पत्र को फर्जी बताया। कहा कि ऐसी कोई नियुक्ति नहीं की जा रही है। तब जालसाजी का पर्दाफाश हुआ। भाग दौड़ के बीच पता चला कि यह गिरोह 10 से भी अधिक लोगों को अपना शिकार बना चुका है। झंगहा थाने में भी इनके खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज है।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह– तेज धमाके वाले पटाखों से बचें

गोरखपुर, संवाददाता। दिवाली और आसपास पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। सीएमओ की तरफ से भेजे गए संदेश में लोगों से अपील की गई है कि तेज धमाके वाले पटाखों से लोग दूरी बनाएं, क्योंकि इससे न केवल जलने का खतरा अधिक होता है,

बल्कि तेज आवाज की वजह से कार्डियक अरेस्ट, हर्ट अटैक, ब्लड प्रेशर हाई होने से ब्रेन हेमरेज जैसी स्थिति भी आ सकती है। बारूद से जलने पर घाव ठीक होने में सामान्य से अधिक वक्त लगता है।

इसके बाद भी अगर कोई हादसा होता है तो तत्काल मदद के लिए एम्बुलेंस व अस्पताल तैयार हैं। मेडिकल कॉलेज में 25 बेड , जिला अस्पताल में 20 और सभी सीएचसी पर की गई पांच बेड की आपात व्यवस्था की गई है। सीएमओ ने बताया कि पर्व के दौरान सभी अस्पतालों पर इमर्जेंसी सेवाएं जारी रहेंगी। जिले में 108 नंबर की 46 और 102 नंबर की 50 एम्बुलेंस भी सेवा के लिए तैयार रहेगी। 25 थानों पर 108 नंबर एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है, जबकि बाकी 21 एम्बुलेंस हॉट स्पॉट पर मौजूद रहेंगी। अस्पतालों के प्रसव कक्ष क्रियाशील रहेंगे और 102 नंबर एंबुलेंस से गर्भवती को चिकित्सा इकाई पर पहुंचाया जाएगा।

रेस्टोरेंट खाली करने के लिए दो घंटे चला हंगामा

गोरखपुर, संवाददाता। रसूलपुर चकिया के गोरखपुर–सोनौली मार्ग पर बॉबिज फूड प्लाजा रेस्टोरेंट खाली करने को लेकर दो घंटे तक हंगामा चला। मंगलवार को विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। रेस्टोरेंट मालिक पंकज मणि त्रिपाठी और मकान मालिक मलाई प्रसाद के बीच किराएदारी का 11 माह का अनुबंध था। इसके समाप्त होने के बाद मकान मालिक ने रेस्टोरेंट खाली करने के लिए कहा तो पंकज ने आठ माह का समय मांगा। यह समय को पूरा होने पर भी रेस्टोरेंट नहीं खाली होने पर मंगलवार को मकान मालिक मलाई प्रसाद ग्रामीणों के साथ पहुंचे और हंगामा करने लगे। लोगों के समझाने पर रेस्टोरेंट खाली कर दिया गया।

रेस्टोरेंट के मालिक के भाई ने बातचीत कर यह कदम उठाया। बता दें कि पंकज मणि त्रिपाठी जंगल कौड़िया के एसबीआई शाखा से 80 लाख से अधिक धोखाधड़ी के मामले में मुख्य आरोपी है। इस संबंध में सीओ कैंपियरगंज गौरव त्रिपाठी ने बताया कि किराएदारी को लेकर विवाद हो रहा था, पुलिस ने जाकर झगड़ा शांत करा दिया।

छोटी दीपावली पर दीपों से जगमग हुआ परमानंदपुर स्टेडियम

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी में छोटी दीपावली के मौके पर परमानंदपुर स्टेडियम दीपों से जगमग दिखाई दिया। पचास हजार दीपक जलाकर विश्व शांति की कामना की गई। 500 बालक बालिकाओं सहित खिलाड़ियों ने 50 हजार दीपक और मोमबत्ती जला कर दीपोत्सव मनाया। बताते चलें कि छोटी दीपावली का मौका भी खास होता है।

दीप पर्व पर हर ओर छटा बिखर रही है और खिलाड़ियों में उत्साह है। खेल के साथ दीपावली पर राष्ट्र भावना को समर्पित एक दीप जलाए गए और उत्साह प्रकट किया गया। कार्यक्रम के संयोजक जिला ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष डॉ एके सिंह ने बताया कि परमानंदपुर स्थित बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स मे आयोजित दीपोत्सव में एथलेटिक्स, हॉकी, हैंडबॉल, कुश्ती और रग्बी के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन हॉकी उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष केबी रावत ने किया।

खुब हुई धनवर्षा...750 करोड़ का हुआ कारोबार

गोरखपुर, संवाददाता। धनतेरस के शुभ मुहूर्त में गोरखपुरवासियों ने जमकर खरीदारी की। बाजारों में मंगलवार को उम्मीद से ज्यादा धनवर्षा हुई। जानकारों की माने तो इस बार हर सेक्टर मिलाकर करीब 750 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इससे दुकानदारों–कारोबारियों में भी उत्साह देखने को मिला। ज्वेलरी के अलावा ऑटोमोबाइल सेक्टर में देर रात तक खरीदारी होती रही। दुकानों पर सुबह से ही भीड़ आनी शुरू हो गई। मंगलवार को गोलघर, हिंदी बाजार, आर्यनगर, घंटाघर आदि जगहों पर काफी भीड़ दिखी। शाम के समय बाजार में भीड़ के चलते पैदल चलना दूभर हो गया। सराफा, ऑटोमोबाइल और बर्तन की दुकानों पर सबसे ज्यादा भीड़ रही। मोहद्दीपुर, असुरन, मेडिकल रोड, इंजीनियरिंग कॉलेज इलाके में बाइक, कार से लेकर आभूषणों की दुकानों पर खूब बिक्री हुई।

दस हजार बाइक और कार बिकीं

ऑटोमोबाइल कारोबारियों की मानें तो धनतेरस के दिन करीब दस हजार बाइक और कार की बिक्री हुई। कार के लिए लोगों ने पहले ही बुकिंग करा ली थी जिसकी डिलीवरी उन्होंने शुभ मुहूर्त में ली। वहीं, कुछ बाइक की भी बुकिंग पहले से थी लेकिन ज्यादातर ने तुरंत पसंद किया और अपना वाहन खरीदकर ले गए। बुकिंग पर शोरूम की ओर से कई तरह के ऑफर्स भी दिए जा रहे थे।

खूब बिके चांदी के सिक्के

धनतेरस के दिन सबसे ज्यादा चांदी के सिक्कों की बिक्री हुई। बाजार में 100 मिलीग्राम से लेकर 100 ग्राम तक के सोने के सिक्के उपलब्ध थे। इसके अलावा लोगों ने हल्के गहने और पूजा के बर्तनों की खरीदारी की। सराफा व्यापारियों के अनुसार करीब 350 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हुआ है।

रेडीमेड कपड़ों की खूब हुई खरीदारी

इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के साथ ही रेडीमेड कपड़ों की भी खूब बिक्री हुई। दुकानों पर विभिन्न आकर्षक उपहारों, ऑफर का ग्राहकों ने खूब लाभ उठाया। गोलघर में दुकानों पर धनतेरस की रौनक दिखी। सड़कों पर दोपहिया और चार पहिया गाड़ियों की लाइनें लगी थीं।

हीरे की बिक्री बढ़ी

पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री अच्छी रही। सोने के बढ़ते भाव से लोगों ने हीरे के गहने खरीदने में दिलचस्पी दिखाई। इस बार हीरे की बिक्री 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ी है। इसके अलावा सोने और चांदी के सिक्कों की खूब बिक्री हुईरू वैभव सराफ, निदेशक, ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स

30 फीसदी तक बढ़ा कारोबार

धनतेरस को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही ग्राहक खरीदारी के लिए निकल गए। देर रात तक शुभ मुहूर्त में आभूषणों की खरीदारी जारी रही। पिछले वर्ष की तुलना में देखा जाए तो इस बार धनतेरस पर 30 फीसदी की अधिक बिक्री हुई हैरू संजय अग्रवाल, निदेशक, परंपरा जेम्स एंड ज्वेल्स

600 से अधिक कारों की बिक्री

धनतेरस के लिए लोगों ने पहले से ही बुकिंग कराई थी। त्योहार के सीजन को देखते हुए पहले से ही कर ली गई थी। गोरखपुर–बस्ती मंडल मिलाकर करीब 600 गाड़ियां बिकीं। इससे अधिक गाड़ियों की बुकिंग हुई थी। अभी दिवाली तक यह सिलसिला जारी रहेगारू अभिषेक अग्रवाल, निदेशक, ऑर्बिट ऑटोमोबाइल्स

शहर में बिकीं तीन हजार बाइकें

धनतेरस पर ऑटोमोबाइल सेक्टर खूब गुलजार रहा। बाइक लेने वालों की काफी भीड़ रही। हमारे यहां 100 से ज्यादा बाइक की डिलीवरी हुई। दिवाली तक यह सिलसिला जारी रहेगा। शहर में अलग–अलग कंपनियों की ढाई से तीन हजार बाइकें बिकीं

किराना की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान हुआ

आजमगढ़, संवाददाता। दीपावली के पर्व को लेकर जहां हर कोई तैयारियों में जुटा हुआ है। वहीं, बुधवार की देर शाम नगर पालिका स्थित एक किराना की गोदाम में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। नगर के निशांत प्रकाश बरनवाल का नगर पालिका क्षेत्र में किराने के सामानों का गोदाम था। जिसमें उनके द्वारा किराने के सामानों को रखा जाता था। बुधवार की देर शाम अचानक उसमें आग लग गई। आग लगने की सूचना मौके पर मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड के जवानों ने आग पर काबू पाया। इस दुर्घटना में गोदाम मालिक निशांत प्रकाश बरनवाल ने बताया कि इस घटना में उनका 10 से 12 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

बयान के लिए पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत सभी आरोपी तलब

प्रयागराज, संवाददाता। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता पर हमले के मामले में बुधवार को विशेष न्यायालय ने बयान दर्ज कराने के लिए ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत सभी आरोपियों को तलब किया है। एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ल के समक्ष मामले की सुनवाई चल रही है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील वैश्य ने बताया कि आरोपियों के अधिवक्ताओं के मौजूदगी में इस मुकदमे के विवेचक एवं अभियोजन के सभी गवाहों का बयान शपथपूर्वक दर्ज कराया जा चुका है। बता दें कि 12 जुलाई 2010 को कोतवाली थाना क्षेत्र में नंदी की हत्या करने की कोशिश की गई थी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इस घटना में सुरक्षा गार्ड राकेश मालवीय, संजय सिंह, अनुज पांडेय, प्रीतम सिंह, श्याम बाबू व नंदी से मिलने आए पत्रकार विजय प्रताप सिंह आदि घायल हो गए थे। इलाज के दौरान विजय प्रताप सिंह एवं राकेश मालवीय की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में भदोही के पूर्व विधायक विजय मिश्रा, चाका ब्लॉक के प्रमुख रहे दिलीप मिश्रा एवं राजेश पायलट सहित 15 अभियुक्त बनाए गए हैं।

जल निगम भर्ती घोटाला – हाईकोर्ट का आदेश, दागी पाए गए 169 को छोड़ शेष अभ्यर्थियों को किया जाए बहाल

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजम खान के जमाने में हुए जल निगम भर्ती घोटाले के उजागर होने के बाद निकाले गए जूनियर इंजीनियरों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सीएफएसएल जांच रिपोर्ट में दागी पाए गए 169 को छोड़ कर शेष चयनित अभ्यर्थियों की सेवा बहल करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार की अदालत ने समराह अहमद समेत सैकड़ों अभ्यर्थियों की ओर से तीन साल सेवा करने के बाद चयन रद्द किए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट की राहत के हकदार केवल याची होंगे। सेवा बहाली पाने वाले याची याचिका लंबित रहने की अवधि के लिए वेतन के किसी भी बकाया के हकदार नहीं होंगे। जबकि उनकी उनकी वरिष्ठता बहाल की जाएगी और काल्पनिक वेतन वृद्धि के साथ वेतन संरक्षण भी प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश जल निगम के जूनियर इंजीनियर के 853 पदों परचयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति रद्द करने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचियों का कहना है कि चयन रद्द करने से पूर्व उनको सुनवाई का मौका नहीं दिया गया। याची अधिवक्ता अशोक खरे और सीमांत सिंह ने दलील दी थी कि जूनियर इंजीनियर भर्ती का चयन परिणाम एक जुलाई, 2017 को जारी हुआ। याचीगण उसमें सफल घोषित किए गए। इसके बाद उन्हें नियुक्ति मिल गई। विभिन्न जिलों में उनकी तैनाती कर दी गई। इसी बीच अंतिम उत्तरकुंजी के कुछ प्रश्नों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। कोर्ट ने विभाग को याचीगण की शिकायतों पर विचार कर निर्णय लेने का निर्देश दिया। इस आदेश के परिपेक्ष्य में विभाग ने पूरा चयन परिणाम निरस्त करते हुए चयनित याचियों की नियुक्तियां रद्द कर दी। ऐसा करने से पूर्व याचियों को न तो कोई नोटिस दी गयी और न ही उनको अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। यह भी नहीं बताया गया कि चयन परिणाम दूषित होने में याचीगण कैसे उत्तरदायी हैं? परीक्षा एजेंसी से कराई गई थी जांच भर्ती परीक्षा मेसर्स अपटेक ने कराई थी। शिकायत की जांच ट्रिपल आइटी प्रयागराज से कराई गई। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि अपटेक ने डाटा सुरक्षित नहीं रखा और न क्लाउड सर्वर तैयार किया, जबकि अपटेक का कहना था कि डाटा सीडी और पेनडाइव में सुरक्षित है। करार में क्लाउड सर्वर तैयार करने की कोई शर्त नहीं थी। करीब चार साल बाद आए 246 पेज के फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विज्ञापन व चयन के वक्त जल निगम एक एकीकृत निगम था। इसलिए जल निगम उनकी नियुक्ति के लिए जिम्मेदार थे और चयनित उम्मीदवार जल निगम के एकीकृत कर्मचारी थे।

रंगदारी मामले में अली, उमर सहित चार पर आरोप तय

प्रयागराज, संवाददाता। जिला न्यायालय में मंगलवार को पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में अतीक अहमद के बेटे अली, उमर समेत दो अन्य असद कालिया एवं मोहम्मद नसरत पर आरोप तय किया गया। अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अंजू कनौजिया के न्यायालय में मामले की सुनवाई चल रही है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी भानु प्रताप सिंह एवं हरिनारायण शुक्ल ने दलीलें प्रस्तुत कीं। न्यायालय ने दलीलों व साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों के विरुद्ध वादी मुकदमा मो. मुस्लिम के अपहरण, हत्या का प्रयास, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी देने के तहत आरोप तय किए।

खाकी को मिला प्रमोशन

बलिया, संवाददाता। बलिया में पुलिस की बेहतरीन कार्यशैली के बाद तीन उपनिरीक्षकों को प्रोन्नति मिली है। अब इनके कंधो पर स्टार बढ़ गए हैं और आगे और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए ये उत्साहित नजर आए। बताते चलें कि उपनिरीक्षकों हल्दी थाने से बृजेन्द्र कुमार सिंह, बैरिय थाने से सुशील और फेफना थाने से राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को निरीक्षक पद पर पदोन्नति मिली है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।